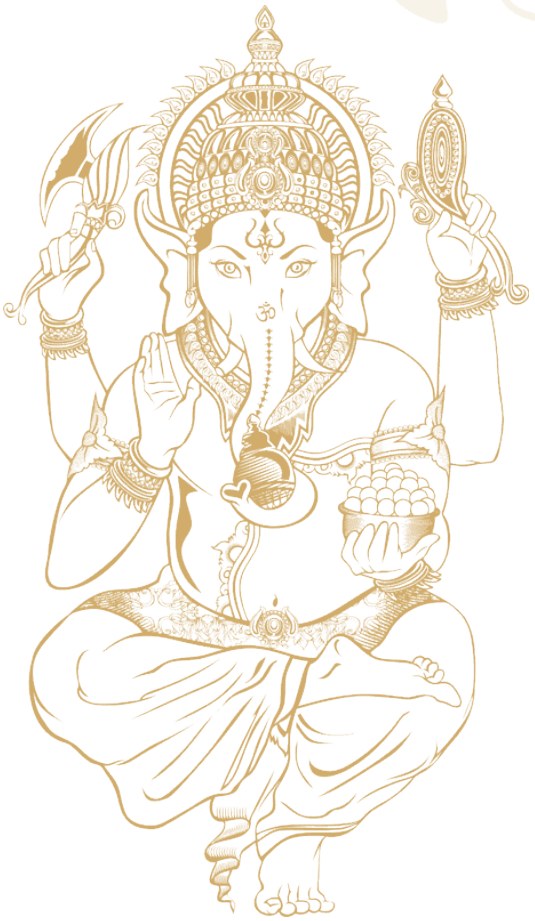

?????? ?????

02 Jan 2001

11:14 AM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121857702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/01/2001**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:14:00 घंटे**
इष्ट	09:57:45 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:56:12 घंटे
वेलान्तर	-00:04:01 घंटे
साम्पातिक काल	17:43:57 घंटे
सूर्योदय	07:14:54 घंटे
सूर्यास्त	17:29:01 घंटे
दिनमान	10:14:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:01:47 धनु
लग्न के अंश	00:16:21 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वरियान
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थानसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	00:16:21	525:35:50	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			धनु	18:01:47	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मीन	09:59:35	12:23:47	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	11:47:42	00:35:02	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	धनु	22:25:07	01:37:43	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		वृष	08:13:34	00:04:36	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	04:27:57	01:06:00	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		वृष	00:40:20	00:02:28	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु			मिथु	21:39:35	00:00:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु			धनु	21:39:35	00:00:11	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	24:50:38	00:02:57	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	11:30:16	00:02:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	19:56:43	00:02:06	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	02:26:46	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:00

लग्न-चलित

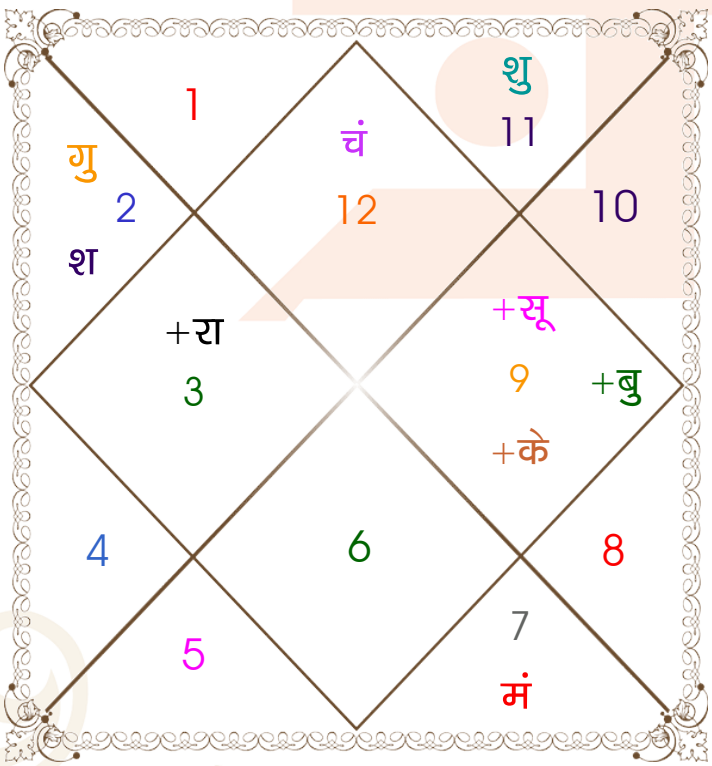

चन्द्र कुंडली

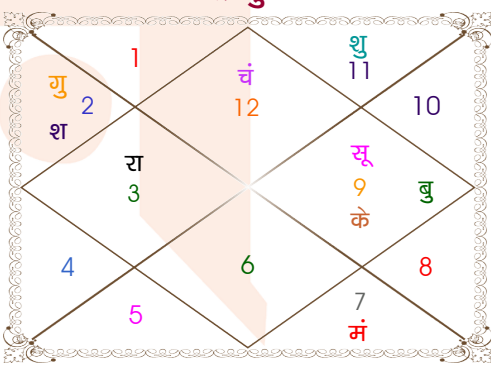

नवमांश कुंडली

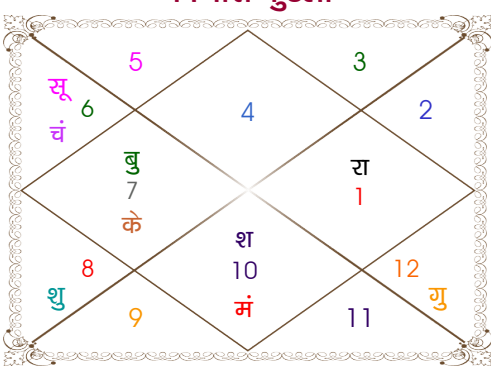

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 6 मास 3 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/01/2001		07/07/2010		08/07/2027		07/07/2034		07/07/2054	
07/07/2010		08/07/2027		07/07/2034		07/07/2054		07/07/2060	
	00/00/0000	बुध	03/12/2012	केतु	04/12/2027	शुक्र	06/11/2037	सूर्य	25/10/2054
	00/00/0000	केतु	30/11/2013	शुक्र	02/02/2029	सूर्य	06/11/2038	चंद्र	26/04/2055
	02/01/2001	शुक्र	30/09/2016	सूर्य	10/06/2029	चंद्र	07/07/2040	मंगल	01/09/2055
शुक्र	28/06/2001	सूर्य	07/08/2017	चंद्र	09/01/2030	मंगल	06/09/2041	राहु	25/07/2056
सूर्य	10/06/2002	चंद्र	06/01/2019	मंगल	07/06/2030	राहु	06/09/2044	गुरु	13/05/2057
चंद्र	09/01/2004	मंगल	03/01/2020	राहु	26/06/2031	गुरु	08/05/2047	शनि	25/04/2058
मंगल	17/02/2005	राहु	23/07/2022	गुरु	31/05/2032	शनि	07/07/2050	बुध	02/03/2059
राहु	25/12/2007	गुरु	28/10/2024	शनि	10/07/2033	बुध	07/05/2053	केतु	08/07/2059
गुरु	07/07/2010	शनि	08/07/2027	बुध	07/07/2034	केतु	07/07/2054	शुक्र	07/07/2060

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
07/07/2060		07/07/2070		07/07/2077		08/07/2095		09/07/2111	
07/07/2070		07/07/2077		08/07/2095		09/07/2111		00/00/0000	
चंद्र	07/05/2061	मंगल	04/12/2070	राहु	19/03/2080	गुरु	25/08/2097	शनि	12/07/2114
मंगल	06/12/2061	राहु	22/12/2071	गुरु	13/08/2082	शनि	08/03/2100	बुध	21/03/2117
राहु	07/06/2063	गुरु	27/11/2072	शनि	19/06/2085	बुध	14/06/2102	केतु	29/04/2118
गुरु	06/10/2064	शनि	06/01/2074	बुध	06/01/2088	केतु	21/05/2103	शुक्र	03/01/2121
शनि	08/05/2066	बुध	03/01/2075	केतु	24/01/2089	शुक्र	19/01/2106		00/00/0000
बुध	07/10/2067	केतु	01/06/2075	शुक्र	25/01/2092	सूर्य	07/11/2106		00/00/0000
केतु	07/05/2068	शुक्र	31/07/2076	सूर्य	18/12/2092	चंद्र	08/03/2108		00/00/0000
शुक्र	06/01/2070	सूर्य	06/12/2076	चंद्र	19/06/2094	मंगल	12/02/2109		00/00/0000
सूर्य	07/07/2070	चंद्र	07/07/2077	मंगल	08/07/2095	राहु	09/07/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 5 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके द्वारा यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भावुक एवं स्वेच्छाचारी प्रवृति के प्राणी हैं। आपका जन्मफल ऐसा सूचित कर रहा है कि आपका जीवन अत्यंत आनंद पूर्वक अपनी प्रेमिका एवं सुरा से युक्त जीवन यापन करेंगे। अर्थात् आपको सुरा और सुंदरी से लगाव रहेगा।

आप प्रेम लीला को प्रथम सर्वोच्च स्थान देते हैं। आप सुंदर, मनोहर, प्रतिभाशाली एवं बुद्धिमती स्त्री को पसंद करते हैं। आपके जीवन का उद्देश्य एवं मुख्य अभिरूचि प्रेम-संबंध स्थापित करना है। इसके पश्चात अति धनी बनने के प्रति अभिरूचि रखेंगे। आप अपने जीवन संगिनी के चयन हेतु कन्या एवं कर्क राशि या जन्म लग्न के जातकों में से किसी का भी चयन करना चाहिए।

आपका संबंध आपको बिस्तर पर लेटने वाली संगिनी के साथ रहेगा। इसके पश्चात् आप अन्यों के साथ भी मिलते जुलते अर्थात् सम्मिलित रहेंगे। आप दोनों पक्ष के लिए सशंकित रहोगे। यदि आप इर्ष्यायुक्त होकर अपने विचार से किसी को निर्वासित कर दिए तो आप बहुत आनंदपूर्वक घरेलू जीवन व्यतीत कर सकेंगे तथा अच्छी प्रकार प्रिय संतान से युक्त हो जाओगे।

आपका अन्य पक्ष यह है कि आप सतर्कता पूर्वक अपने मित्रों का चयन करने में अग्रसर होंगे। इसके पश्चात आप वहिर्गामी हो कर विश्वसनीयता एवं तत्परता से युक्त होंगे। इसके पश्चात आप मन ही मन यह अनुभव करोगे कि वे लोग आपकी कार्य-योजना में आपके साथ कोई धोखा धड़ी किए है। इस प्रकार की संभावित घटनाओं के पूर्व मित्रमंडली का उत्कर्षण आवश्यक है। उत्कर्षित मित्र बनाना भी नितांत आवश्यक है।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक धन उपार्जन कर, धन प्रदान करेंगे। आप धन का संचय कर व्यवसाय कर सकते हों। आप अपने लिए सुगमता पूर्वक धन प्राप्त करने के सुगम पथ का परित्याग कर कठिन श्रम से अपने कर्म उद्देश्य के प्रति समर्पण की भावना से युक्त होंगे। अब के बाद निश्चित रूप में मद्यपान के प्रति अपनी आशक्ति रोगादि को आमंत्रित करेंगे। जैसे गैस्टिक दिक्कते, क्षय रोगादि। हृदय संबंधी दिक्कतों से सदैव आक्रांत रहेंगे। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु निश्चित रूप से मद्यपान का परित्याग करें। इस प्रवृति को स्वीकार करने से आपकी आलोचना होगी। अतएव मद्यपायी प्रवृति को त्याग दें।

आपके मीन राशि वाले द्वि स्वाभात्मक प्राणी होते है। आप अन्यों के विचार से एक पहेली है जैसा कि अपने लिए भी हैं। कई बार अन्य लोग आपके बारे में समझ नहीं पाते है। वे लोग आपके लक्ष्य के संबंध में नहीं समझ पाते हैं। आपकी विभिन्न अवस्थाओं का मूल्यांकन करना उनके लिए सरल नहीं है। आप सदैव कल्पना लोक में विचरण करते हो। इस प्रकार की बातों का सत्यता से कोई संबंध नहीं है। यह आपकी समस्याओं को स्वीकार करता है। अतएव आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकदम आश्वस्त नहीं है। आप इस प्रकार अनिश्चितता एवं हतोत्साहित हो सकते हैं। फलस्वरूप आप पीछे रह जाओगे तथा आपका विश्वास दूसरों के द्वारा

सामंजस्य पूर्ण बन जाएगा तथा प्रतिज्ञा करना पड़ेगा। इस प्रकार आप अपनी अभिलाषा के अनुरूप सुव्यवस्थित हो कर निश्चित रूप से आरामदायक जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

मीन राशीय प्रभाव के पीछे केंद्रीय बिंदु यह है कि आप गुह्य विद्या, रहस्यात्मक, व्यापार संघ, ध्यान साधना एवं मनोवैज्ञानिक के रूप में व्यवसाय अपना सकते हैं। मीन राशीय प्रभाव से आप धार्मिक कार्य के पीछे समर्पित रहेंगे तथा धर्म नेता के रूप में उत्सुक हो कर माननीय बंधन से मुक्त हो सकते हैं। आपका अंतिम लक्ष्य आपकी कल्पना शक्ति के अनुसार मोक्ष प्राप्त करना अथवा उद्धार हो कर यथार्थ रूप से सामरिक अस्तित्व को पुनः प्राप्त नहीं करें। अर्थात् पुर्नजन्म न हो ऐसा है।

आप अपनी बुद्धि के अनुसार चाहे जो भी उसी कार्य के प्रति पीछे पड़ जाते हैं तथा कठिन श्रम करेंगे तथा संबंधित लाभांश भी प्राप्त करेंगे। आपके लिए काल्पनिक अर्थात् आदर्श कार्य व्यवसाय, प्रशासनिक पदाधिकारी अथवा सरकारी विभाग उपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, गुरुवार, मंगलवार का दिन उच्चस्तरीय अनुकूलता से युक्त है। परंतु इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग सुखद एवं लाभदायक है, परंतु रंग हरा, क्रीम एवं सफेद रंग आपके जीवन साथी के लिए अनुकूल है। आप नीले रंग का व्यवहार न करें।